



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

20 ज्येष्ठ 1937 (श0)
(सं0 पटना 659) पटना, बुधवार, 10 जून 2015

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना
10 अप्रैल 2015

सं0 22/नि0सि0(भाग0)-09-15/2010/857—सिमरिया गोरगामा बायों तटबंध एवं चन्दन नदी के दायें तटबंध, ब्रीच क्लोजर कार्य में अनियमितता के संबंध में निगरानी विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक 7973 दिनांक 11.11.2010 द्वारा समर्पित तकनीकी परीक्षक कोषांग के जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी एवं सम्यक समीक्षोपरान्त जाँच प्रतिवेदन के आधार पर निम्नांकित प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाये गये आरोपों के लिए श्री दशरथ प्रसाद, आई0 डी0 जे0-9044, तत्कालीन सहायक अभियंता, सिंचाई अवर प्रमंडल, बौसी से विभागीय पत्रांक 234 दिनांक 01.03.2011 द्वारा स्पष्टीकरण किया गया:—

(i) सिमरिया गोरगामा बायों तटबंध के चेन संख्या— 0 से 26.06 कि0 मी0 तक का कार्य सिस्टमेटिक ढंग से कन्टीन्यूटी में नहीं कराना।

(ii) चन्दन नदी के दायों तटबंध के चेन संख्या—1549 से 1587 तक के बीच मोहनपुर गाँव के नजदीक ब्रीच क्लोजर कार्य के लिए भुगतान की गयी मिट्टी की मात्रा में 36.63 प्रतिशत की कमी पाया जाना।

2. श्री दशरथ प्रसाद, तत्कालीन सहायक अभियंता, सिंचाई अवर प्रमंडल, बौसी द्वारा उपर्युक्त के आलोक में वांछित स्पष्टीकरण का उत्तर विभाग में समर्पित किया गया जिसमें उनके द्वारा निम्नांकित तथ्यों को रखा गया:—

(i) जाँच प्रतिवेदन की अभिलेखीय जाँच की निष्कर्ष कंडिका 3.1.8 में अंकित किया गया है कि अंकित मापी में कोई त्रुटि नहीं पायी गयी। जाँच प्रतिवेदन के स्थलीय जाँच के निष्कर्ष कंडिका 4.1.2 में स्पष्ट अंकित है कि वर्णित तथ्यों के आलोक में स्थल जाँच में पायी गयी मात्रा माप पुस्त में अंकित मात्रा के अनुरूप माना जा सकता है। इस निष्कर्ष से स्वतः स्पष्ट है कि सहायक अभियंता के दायित्वों का पूर्ण निर्वहन इनके द्वारा किया गया है।

(ii) वर्षा ऋतु प्रारम्भ हो जाने के बाद माह जुलाई—अगस्त, 2008 में विभागीय रूप से ब्रीच क्लोजर का कार्य कराया गया। प्राक्कलन में कॉम्पैक्सन का प्रावधान नहीं रहने के कारण भरी गयी मिट्टी का कॉम्पैक्सन नहीं किया जा सका। जिसके कारण मिट्टी क्षरण की तीव्रता कई गुणा सामान्य क्षरण से बढ़ गयी। वर्षा ऋतु प्रारम्भ होने जाने के बाद जुलाई में जाँच पदाधिकारियों द्वारा जाँच की गयी एवं जाँच प्रतिवेदन की कंडिका—4.2.1 से सम्पुष्ट होता है कि बाढ़ अवधि में कार्य होने के कारण, रैन कट, रैट होल्स एवं वेभवास आदि के कारण मिट्टी का क्षरण 20 प्रतिशत होने के आधार पर अवशेष मिट्टी की गणना की गयी है जो किसी ठोस प्रावैधिक प्रमाण पर आधारित नहीं है। जाँच पदाधिकारी द्वारा 20 प्रतिशत क्षरण अनुमान्य होने के संदर्भ में इसका भी ख्याल नहीं रखा जा सका कि कॉम्पैक्सन का कोई प्रावधान नहीं होने के कारण भरी गयी मिट्टी लूज थी जिसमें क्षरण की और भी अधिक संभावना है।

मिट्टी भराई में होने वाले क्षरण में कई अन्य कारणों यथा स्थल स्लोप, मिट्टी की प्रकृति, आँधी पानी की तीव्रता आदि से भी अत्यधिक वृद्धि हो जाती है। अभी तक कोई ठोस प्रमाणिक तरीका क्षरण निर्धारित करने के लिए नहीं निकाला जा सका।

वर्णित परिस्थिति में मात्र 20 प्रतिशत क्षरण के आधार पर मिट्टी कमी की मात्रा का आकलन प्रावैधिक दृष्टिकोण से प्रमाणित, तर्कसंगत, न्याय संगत एवं विश्वसनीय नहीं है तथा इस आधार पर आरोप संख्या-2 का गठन युक्तिसंगत नहीं है।

3. उपर्युक्त तथ्यों की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी एवं समीक्षोपरान्त निम्नांकित तथ्य पाये गये:-

(i) आरोपित कार्यपालक अभियंता द्वारा माना गया है कि वर्षा आदि के कारण मिट्टी में कमी आयी होगी परन्तु तकनीकी परीक्षक कोषांग द्वारा 20 प्रतिशत की कमी को मान्य करने के उपरान्त भी इस मद में 16.63 प्रतिशत का अतिरेक भुगतान प्रमाणित है जिसके लिए श्री दशरथ प्रसाद, तत्कालीन सहायक अभियंता दोषी हैं।

4. उपर्युक्त पाये गये तथ्यों के आलोक में श्री दशरथ प्रसाद, तत्कालीन सहायक अभियंता, सिंचाई अवर प्रमंडल, बौंसी सम्प्रति सहायक अभियंता, सारण नहर प्रमंडल, मैरवा के विरुद्ध "एक वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक" का दंड अधिरोपित करने का निर्णय लिया गया है।

दंड प्रस्ताव पर माननीय विभागीय मंत्री का अनुमोदन प्राप्त है।

उक्त निर्णय के आलोक में श्री दशरथ प्रसाद, तत्कालीन सहायक अभियंता, सिंचाई अवर प्रमंडल, बौंसी सम्प्रति सहायक अभियंता, सारण नहर प्रमंडल, मैरवा के विरुद्ध "एक वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक" का दंड अधिरोपित करने का निर्णय संसूचित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सतीश चन्द्र झा,
सरकार के अपर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 659-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>